

- दर्शनसार (आ० देवसेन) ७९, ११५, ३८४,
४८९, ५१२, ५१३
- दलसुख मालवणिया (पं०) ४, ९, ३२, ४३,
५१, २४०
- दशवैकालिकसूत्र (श्वे०) ३६, १३८, १६७,
१७१, २१५, ४५१
- हारिभद्रीय वृत्ति १३१, २१५
- दशा (शिशु) ३३९
- दाठावंस (बौद्धग्रन्थ) ३११
- दार्शनिक विकासवाद ९
- दासीकर्पाटिका (गोदासगण की शाखा) ४११,
५७६
- दिक्पट २०
- दिगम्बर (जैनमुनि) २५८, २६२, २६७, २८३,
२९२, २९३, ५७२
- दिगम्बर-अर्धफालक-भेद ४६४
- दिगम्बरत्व और दिगम्बरमुनि (कामताप्रसाद
जैन) ३१२
- दिगम्बरपरम्परा का पूर्वज दक्षिण-प्रस्थित
अचेल निर्ग्रन्थसंघ ४८०
- दिगम्बरमत ४, २९४, ५७३
- दिगम्बरमुद्रा १५६
- दिगम्बरजैनसंघ (सम्प्रदाय, परम्परा) ५, २०,
१४४, ४३४, ४४५, ४४६, ४७२, ४७३,
५७२
- दिगम्बर-श्वेताम्बर-भेद ४४५, ४७४, ४६४,
४७२
- दिग्वाससू ९, २६८, २७१, २९८, ४८५, ४८६
- दिव्यावदान (बौद्धग्रन्थ) १०७, ११५, ३१०,
३३८, ३३९, ३५२, ३५३
- दीघनिकायपाळि ३१२, ३१४-३१७, ३२५,
३२८, ३३०, ३३७
- दृष्टिवाद अंग ४७१, ४६५, ४६७
- देवकी (कृष्णमाता) ३७३-३७५
- देवगढ़ की बाहुबलि-प्रतिमा ४१२
- देवगिरि-ताम्रपत्रलेख (श्रीविजयशिवमृगेश-
वर्मा) १०७, १४१, १४९, १५०
- देवगिरि-ताम्रपत्रलेख (देववर्मा) ३९०, ४३४
- देवताश्रित नाम (जैनदर्शन का) १४७
- देवदूष्य वस्त्र ३५९, ३६१, ४१५
- देवनन्दा ब्राह्मणी ३७५
- देवनन्दी, पूज्यपाद स्वामी, (देखिये, 'पूज्य-
पाद')
- देवर्द्धिगणि-क्षमाश्रमण १०२, ४२२, ४२३,
४४९, ४६३, ५७६
- देवसेन (आचार्य, दर्शनसार के कर्ता) ४५८
- देवसेन (प्राकृत-भावसंग्रहकार) ४५७, ४५८
- देवेन्द्र मुनि शास्त्री १७२
- देशभूषण (आचार्य) १३२
- देशिय (देशीय, देशी) गण ५६६
- देहली-टोपरा-सप्तम-स्तम्भलेख (सम्राट्
अशोक) ६५, १४०
- द्राविडसंघ ७९, ४३४, ५१३
- द्वादशवर्षीयदुर्भिक्ष ३७७, ४५२, ४५७, ४६३
- ध
- धम्मपद (बौद्धग्रन्थ) ३४३
- धम्मपद-अट्टकथा ३१०, ३४०, ३४२, ३४६,
३५२
- धरसेन (आचार्य) १३२
- धर्मनन्दी आचार्य (अहरिष्टिश्रमणसंघ) ३९०